

---

## Kurmastutih 2

कूर्मस्तुतिः २

### Document Information

---

Text title : kUrmastutih 2

File name : kUrmastutih2.itx

Category : vishhnu, dashAvatAra

Location : doc\_vishhnu

Proofread by : PSA Easwaran psawaswaran at gmail.com

Description/comments : Edited by S. V. Radhakrishna Shastriji

Acknowledge-Permission: Mahaperiaval Trust

Latest update : May 13, 2018

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 29, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Kurmastutih 2

---

कुर्मस्तुतिः २

---



निरवधि य निराश्रयं य यस्य स्थितमनिवर्तितकौतुकप्रपञ्चम् ।  
प्रथमं षड् भवान्स कुर्ममूर्तिर्जयति यतुर्दशलोकवल्लिकन्दः ॥ १ ॥

ब्राम्यन्मडागिरिनिर्घर्षणलब्धपृष्ठ-  
कण्डूयनक्षणासुभायितगाढनिद्रः ।  
सुषुवाप दीर्घतरघर्घरघोरघोषः  
श्लासाभिभूतजलधेः कमठः स वोऽव्यात् ॥ २ ॥

नमस्कुर्मः कुर्मं नमदमरकोटीरनिकर-  
प्रसर्पन्माण्डिक्यच्छविमिलितमाञ्जिष्ठवपुषम् ।  
जरीश्रुमभङ्गिभद्युमणिरमणीयांशुलडरी-  
परीरभमस्कूर्णल्लभिदुपलाद्रिप्रतिभटम् ॥ ३ ॥

निष्प्रत्यूढमनल्पकल्पयरितस्त्रैलोक्यरक्षागुरः  
कीडाकुर्मकलेवरः स भगवान्निश्चयादमन्दां मुदम् ।  
कल्पान्तोदधिमध्यमज्जनवशाद्व्यासर्पितः संलुठत्  
पृष्ठे यस्य बभूव सैकतकण्डिकायं धरित्रीतलम् ॥ ४ ॥

इति कुर्मस्तुतिः २ समाप्ता ।

Proofread by PSA Easwaran

---

Kurmastutih 2

pdf was typeset on June 29, 2023

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

